केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, इलाहाबाद
जनसम्पर्क विभाग

संख्या :
कोर/जी/पीआर/010 भाग-XXV

दिनांक 06.01.2021

प्रेस विज्ञप्ति

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज में 65वां रेल सप्ताह समारोह का आयोजन

दिनांक 06 जनवरी 2021 को केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज मुख्यालय में वर्चुअल माध्यम से 65वां रेल सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन वर्तमान में, सम्पूर्ण भारत में 9 परियोजनाओं- अम्बाला, अहमदाबाद, चेन्नई, दानापुर, जयपुर, लखनऊ, न्यू जलपाईगुड़ी एवं बेंगलुरु के माध्यम से भारतीय रेल के समस्त ब्रॉड गेज रूटों को विद्युतीकरण करने का कार्य कर रहा है । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज, के महाप्रबन्धक श्री यशपाल सिंह, द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 अधिकारियों एवं 56 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। ज्ञात हो कि भारत में 16 अप्रैल 1853 को पहली सवारी गाड़ी मुम्बई से थाणे तक के लिए चलाई गई थी, इसी एतिहासिक स्मृति में प्रत्येक वर्ष रेल सप्ताह समारोह मनाया जाता है। इस अवसर पर रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित करने के अलावा पिछले वर्ष किये गए कार्यों की समीक्षा की जाती है तथा अगले वर्ष के लिए योजनाएं भी बनाई जाती है। अमूमन यह आयोजन प्रतिवर्ष अप्रैल-मई मे ही किया जाता है, परन्तु इस वर्ष कोविड महामारी के कारण इसके आयोजन में विलम्ब हुआ ।

समारोह के शुभारम्भ में वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक/कोर श्री वी॰के॰गर्ग, ने महाप्रबन्धक महोदय को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर श्री अरुण कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, श्री सुरेश कुमार, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, श्री डी॰के॰ गुप्ता, प्रमुख वित्त सलाहकार, श्रीमती प्रमिला सिंह, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एवं सभी

विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। प्रोजेक्ट यूनिट के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी वीडियो लिंक के माध्यम से समारोह में सम्मलित थे ।

महाप्रबन्धक महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा कि वर्ष 2019-20 में कोर को विद्युतीकरण के लिए एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य मिला था जिसे स्वीकार करते हुए कोर ने 2606 रूट किलोमीटर विद्युतीकरण का लक्ष्य प्राप्त किया। इस दौरान बदौसा-मानिकपुर जैसे महत्वपूर्ण खण्ड का विद्युतीकरण किया गया जिससे प्रयागराज से झाँसी की ओर विद्युतीकृत रूट कि प्राप्ति हुई। चुनार-चोपन खण्ड के विद्युतीकरण से पूर्वी रेलवे को जोड़ने हेतु पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के अतिरिक्त एक विकल्प रूट की भी प्राप्ति हुई।

महाप्रबंधक ने यह भी बताया कि वर्तमान वर्ष मे संगठन द्वारा पुराने कीर्तिमान (684 मास्ट) को तोड़ते हुए एक ही दिन मे सर्वाधिक मास्ट इरेक्श्न (1506 मास्ट) का नया कीर्तिमान स्थापित किया गया | साथ ही साथ विद्युतीकरण के इतिहास में पहली बार एक दिन में कुल 138 शॉट (90 ट्रैक किलोमीटर) वायरिंग भी इसी वित्त वर्ष मे की गयी । विश्व में पहली बार संगठन की अहमदाबाद इकाई ने गुजरात राज्य के पालनपुर और बोटाड (270 रूट किलोमीटर) के बीच हाई राइज ओएचई के साथ विद्युतीकरण इस वर्ष किया गया जिससे भारतीय रेलवे में बिजली के इंजन साथ डबल स्टैक कंटेनर का परिचालन संभव हुआ |वर्ष 2020-21 के दौरान कटनी – सतना जैसे महत्वपूर्ण खंड का विद्युतीकरण किया गया जिससे प्रयागराज से हो कर मुम्बई-हावड़ा के बीच निर्बाध विद्युत कर्षण पर रेल गाड़ियों का परिचालन संभव हुआ है ।

पुरस्कार वितरण के क्रम में सर्वप्रथम सर्वोत्तम परियोजना शील्ड - दानापुर परियोजना, को दी गई इसके साथ ही दानापुर परियोजना को विद्युत विभाग, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग, भण्डार विभाग तथा इंजीनियरिंग विभाग की भी शील्ड प्रदान की गई । लेखा विभाग की शील्ड – लखनऊ परियोजना को, कार्मिक विभाग की शील्ड – न्यू जलपाईगुड़ी परियोजना को तथा राजभाषा की शील्ड – अहमदाबाद परियोजना को प्रदान की गई। कोविड-19 महामारी के कारण मुख्यालय के अतिरिक्त परियोजनाओं में कार्यरत रेल कर्मियों को पुरस्कार एवं शील्ड वर्चुअल माध्यम से प्रदान किये गए।

इस अवसर पर महाप्रबन्धक महोदय ने कहा की मैं उन परियोजनाओं को बधाई देता हूँ जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में शील्ड जीती है साथ ही महाप्रबन्धक पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होने कहा की रेल सप्ताह का आयोजन भारतीय रेल के शुभारंभ, उत्थान एवं गरिमामयी विकास यात्रा को आत्मसात करने का समय है। जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस वर्ष पुरस्कार नहीं मिला है, उन्होने भी वर्ष के दौरान अच्छा कार्य किया है। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप सभी और अधिक परिश्रम एवं लगन से कार्य करेंगें ताकि आगामी वर्ष में पुरस्कार के दावेदार बन सके।

वर्ष 2019-20 के प्रारम्भ में ऊर्जाकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य बहुत ही चुनौतीपूर्ण था, फिर भी रेल विद्युतीकरण के कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने एक जुट होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसमें कर्मचारी यूनियन तथा अधिकारी फेडेरेशन का सहयोग भी प्रशंसनीय रहा है । महिला समिति द्वारा समय-समय पर कर्मचारियों व उनके आश्रितों के प्रोत्साहन हेतु किये गए कार्य भी सराहनीय रहे। अन्त में सभी रेल कर्मियों का कोविड-19 महामारी जैसी विषम परिस्थिति में दिए गए योगदान की पुनः प्रशंसा की और कहा की मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सभी आपसी समन्वय से लक्ष्य को प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे तथा राष्ट्र के विकास यात्रा में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज